सरकार पर इंडस्ट्री ने बढ़ाया प्रेशर

शुगर पर इंपोर्ट ड्यूटी 30% करने की मांग

[श्रेया जय *नई दिल्ली*]

शुगर इंडस्ट्री मार्केट डीकंट्रोल में कामयाबी हासिल करने के बाद अब सरकार पर इंपोर्ट ड्यूटी को 10 फीसदी से बढ़ाकर 30 फीसदी करने के लिए दबाव डाल रही है। इंडिया में शुगर प्रोडक्शन 2.45 करोड़ टन होने की उम्मीद है।

इंडस्ट्री को लगता है कि डोमेस्टिक मार्केट में इस बार (अक्टूबर 2012-सितंबर 2013) और अगले शुगर सीजन में सप्लाई अच्छी रहेगी। इस सीजन में डोमेस्टिक कंजम्पशन 2.25 करोड़ टन रह सकता है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के हिसाब से इस साल 20 लाख टन का सरप्लस हो सकता है।

इंडियन शुगर मैन्युफैक्चरसर्स एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल अविनाश वर्मा कहते हैं, 'देश में जरूरत से ज्यादा चीनी है। इसलिए इंपोर्ट की जरूरत नहीं है। भले ही सूखे के चलते अगले सीजन में महाराष्ट्र में चीनी का प्रोडक्शन कम हो सकता है। इसके बावजूद पुराना स्टॉक इतना होगा कि चीनी की कोई कमी नहीं होगी।'

पिछले दो सीजन से इंडिया से चीनी का एक्सपोर्ट नहीं हो रहा है। करेंट सीजन में 4 लाख टन कच्ची चीनी का इंपोर्ट हुआ। इसमें मई में होने वाले इंपोर्ट का अनुमान भी शामिल है। इस सीजन में पाकिस्तान से 14,000 टन वाइट शुगर का इंपोर्ट हुआ है।

ग्लोबल मार्केट में शुगर की कीमत में आई तेज गिरावट को देखते हुए देसी चीनी मिलें सरप्लस डोमेस्टिक स्टॉक का एक्सपोर्ट नहीं कर पा रही हैं। इधर, ट्रेडर चीनी इंपोर्ट कर रहे हैं, जो डोमेस्टिक मार्केट से सस्ता पड़ रहा है।

इंपोर्टेड रॉ शुगर को रिफाइंड शुगर में बदलने की अंतिम कीमत और उस पर 10 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी लगने से यहां इसकी लागत 29 रुपए प्रति किलो पड़ती है। महाराष्ट्र में चीनी की एक्स मिल प्राइस 31 रुपए और उत्तर भारत में 34 रुपए प्रति किलो है। नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्टरीज के एमडी विनय कुमार कहते हैं, 'चीनी मिलें पहले से ही संकट के दौर से गुजर रही हैं। मार्केट में सरप्लस होने से इसकी कीमत पिछले 6 महीने में 35 रुपए से घटकर 28 रुपए किलो रह गई है। कंपनियों को पेराई सीजन के बाद कीमत बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, तब इंपोर्टेड चीनी आने पर कीमत और घट जाएगी।'

चीनी की घटती कीमत के साथ गन्ने की ऊंची कीमत से शुगर मिलों पर दबाव है। कंपनियां इसके चलते गन्ना किसानों को पेमेंट नहीं कर पा रही हैं।

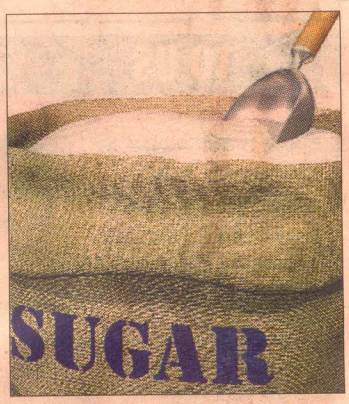

सरप्लस शुगर की उम्मीद

शुगर इंडस्ट्री को उम्मीद है कि डोमेस्टिक मार्केट में इस बार (अक्टूबर 2012-सितंबर 2013) और अगले शुगर सीजन में सप्लाई अच्छी रहेगी। इस सीजन में डोमेस्टिक कंजम्पशन 2.25 करोड़ टन रह सकता है। एक्सपर्ट्स के हिसाब से इस साल 20 लाख टन शुगर सरप्लस हो सकता है

Economic times

13/5/13